असंगठित क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाओं की समस्याएँ

रीता कुमारी

असंगठित क्षेत्र में कार्यरत् महिलाओं के सामने अनेकों समस्याएँ है। जो इस प्रकार है कि दोहरे कार्य के साथ बच्चों व घर के अन्य सदस्यों की देखभाल और कार्य स्थल व घर के कार्यों में समायोजन करना, यह उनके लिए बड़ी समस्या होती है। जिसे वह किस तरह अपनी सुझ–बुझ से सुलझा पाती है।

असंगठित क्षेत्र में कार्यरत् कामकाजी महिलाओं को अपनी नौकरी से संबंधित कार्यों के अतिरिक्त भी परिवार के अधिकतर कार्यो को पूर्ण करना पड़ता है। इस प्रकार उन महिलाओं पर कार्य का दोहरा उत्तरदायित्व आ जाता है। इसका उनके स्वास्थ्य और मानसिक सन्तुलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और महिलाओं का कथन था कि आर्थिक उत्पादन उनकी मजबूरी है अतः वे कार्य करती है पर वे अपनी दोहरी जिम्मेदारी से सन्तुष्ट नहीं है चूंकि परिवार एकांकी है और कोई सदस्य मदद के लिये नहीं है। अतः कार्य के साथ घर का काम करने में काफी असुविधा का अनुभव होता है।